

आई टी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर

पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

वेबिनार

● भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैकसीन को पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. आरके खार, डायरेक्टर बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद, विशिष्ट अतिथि डा. पी सनमुगम पांडियन डॉन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई अर्पित चड्ढा चाइस चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप डा. एस सदीश



डायरेक्टर आईटीएसकॉलेज ऑफ फार्मेसी के उपस्थिति में सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया। इस अवसर पर बोलेते हुए डा. खार ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कम्प्यूटेशन रिस्कल के बारे में विस्तार से बताया इंजीनियरिंग आज के वर्तमान परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है और इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है भारत इस में

अग्रणी भूमिका निभा सकता है उन्होंने कोरोना काल में भारतीय भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं को उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के फार्मेसी प्रोफेशनल आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे। डा. पांडियन ने वैकसीन उत्पादन में भारत के योगदान को चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैकसीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित

करा सकता है। उन्होंने नोबेल ड्रग फार्मूलेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया। साथ ही शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा। अर्पित चड्ढा ने कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऐसे योग्य फार्मेसी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है और इस तरह के कार्यक्रम नए नए आविष्कारों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अविष्कार को महत्ता पर बल दिया। कार्यक्रम में बोलेते हुए डॉ सदीश ने एफडीपी हेतु एआईसीटीई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया। उन्होंने समुद्री शैवाल पर हो रहे नए नए अनुसंधानों की चर्चा की कार्यक्रम में बोलेते हुए आईआईटीपीएचयू के प्रोफेसर डॉ वी मिश्रा ने ऑस्मोरगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया

उन्होंने विभिन्न कारक जो ऑस्मोरगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम को प्रभावित करते हैं के बारे में विस्तृत चर्चा की डॉक्टर सुराजीत देवनाथ विभागाध्यक्ष मेडिकल लैब टेक्नोलॉजियन महिला पालिटेक्निक तिरुपुग ने प्रोटीन इंजीनियरिंग विद डिजायर्ड ट्रेट्स शीर्षक पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डा. प्रवीण गौर ने बताया कि पांच दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ चक्रा अगले पांच दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद दिया। डा. मनोज कुमार शर्मा, प्रसून कुमार सक्सेना एवं आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह संयोजक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी की सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

आई टी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में हुआ पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

जन सागर टुडे (सं)
मुरादनगर। आई टी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके खार डायरेक्टर वीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद विशिष्ट अतिथि डाक्टर पी सनमुगम पांडियन डीन सत्वभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई अर्पित चड्ढा वाइस चैयरमैन आई टी एस द एजुकेशन ग्रुप डॉ एस सदीश डायरेक्टर आईटी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के उपस्थिति में सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ खार ने कहा कि वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए उन्होंने कम्प्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया इंजीनियरिंग आज के वर्तमान



परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है और इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है भारत इस में अग्रणी भूमिका निभा सकता है उन्होंने कोरोना काल में भारतीय भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित

करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की उन्होंने कहा भारत के फार्मेसी प्रोफेशनल आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे। डॉक्टर पांडियन ने वैक्सिन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही

ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सिन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने नोवेल ड्रग फामूलेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया साथ ही साथ शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा अर्पित चड्ढा ने यह कहा कि आई टी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऐसे योग्य फार्मेसी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है और इस तरह के कार्यक्रम नए-नए आविष्कारों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अविष्कार की महत्ता पर बल दिया।

कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ सदीश ने एफ डी पी हेतु ए आई सी टी ई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया। उन्होंने समुद्री शैवाल पर हो रहे नए नए अनुसंधानों की चर्चा की। कार्यक्रम में बोलते हुए आईआईटीवीएचयू के प्रोफेसर डॉ वी मिश्रा ने

ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न कारक जो ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम को प्रभावित करते हैं के बारे में विस्तृत चर्चा की डॉक्टर सुराजीत देवनाथ विभागध्यक्ष मेडिकल लैब टेक्नीशियन महिला पालिटेक्निक तिरपुरा ने प्रोटीन इंजीनियरिंग विद डिजायर्ड ट्रेट्स शीर्षक पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर प्रवीण गौर ने बताया कि 5 दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ वक्ता अगले 5 दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ मनोज कुमार शर्मा मिस्टर प्रसून कुमार सक्सेना एवं मिस्टर आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह. संयोजक की भूमिका निभाई कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी की सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में फैकल्टी डेवलपमेंट का शुभारम्भ

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड पर स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके खार डायरेक्टर बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद विशिष्ट अतिथि डाक्टर पी सनमुगम पांडियन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई श्री अर्पित चड्ढा वाइस चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप डॉ एस सदीश डायरेक्टर आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के उपस्थिति में सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया। इस



अवसर पर बोलते हुए डॉ खार ने कहा की वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया इंजीनियरिंग आज के वर्तमान परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है और इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है। भारत इस में अग्रणी भूमिका निभा सकता है



। उन्होंने कोरोना काल में भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के फार्मेसी प्रोफेशनल आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे डॉक्टर पांडियन ने वैक्सीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे

विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने नोवेल ड्रग फामूलेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया साथ ही साथ शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा। अर्पित चड्ढा ने कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऐसे योग्य फार्मेसी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है।

उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अविष्कार की महत्ता पर बल दिया। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ सदीश ने एफ डी पी हेतु एआईसीटीई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में सैदा दिल्ली मार्ग स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एआईटीई अटल योजना के द्वारा सर्वोच्च पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसका शीर्षक युवा इंजीनियरिंग पैरेंट्स एंड इन्वेस्टर्स का आवाज बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. खार, डायरेक्टर बी.एस. अर्वापुरिया फरीदाबाद, विजिट अतिथि डॉ. पी. सनमुगम रॉडवेल डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई, अतिथि चक्रा चन्द्रा चेरारैयन आईटीएस ए एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस सदीश डायरेक्टर आईटी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के उद्दिष्टों में सारस्वती बंटरा एवं सप्टमान गारु किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. खार ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कम्प्यूटेशनल स्किल के बारे में विस्तार से बताया इंजीनियरिंग अडल के वर्तमान परिस्थिति में बहुत ही पैरेंट्स हैं और



इसमें निरंतर इन्वेस्टमेंट को संभावना है। भारत इसमें अग्रणी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कोरोना काल में भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स संगठन की। उन्होंने कहा भारत के फार्मेसी प्रोफेशनल्स अद्यतन की अवसर में बदलने में कामयाब रहे। डॉक्टर पंडित ने वैकसीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैकसीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए

उन्होंने नोबेल इंग फाय्लोरन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया साथ ही साथ शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा। अतिथि चक्रा ने कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऐसे योग्य फार्मेसी प्रोफेशनल्स को तैयार कर रहा है, जो भारतीय दवा उद्योग में सर्वमान एवं बकिंग की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है और इस तरह के कार्यक्रम नए नए अधिकारियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने एण्डा आईफोन का उद्घरण प्रस्तुत करते हुए अधिकार को महत्ता पर बात किया। कार्यक्रम में बोलते हुए

डॉ. सदीश ने एक ही पी हेतु एआईटीई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया। उन्होंने समुद्री सैवाल पर हो रहे नए नए अनुसंधानों की चर्चा की। कार्यक्रम में बोलते हुए आईआईटीबीएवू के प्रोफेसर डॉ. पी. मिश्रा ने ऑनमोनिटरिंग टूल्स डिजिटली सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न करक जो ऑनमोनिटरिंग टूल्स डिजिटली सिस्टम को प्रभावित करते हैं के बारे में विस्तृत चर्चा की डॉक्टर सुरजीत देबनाथ विभागाध्यक्ष मेडिकल लैब टेक्नीशियन महिला पॉलिटेक्निक तिरपुरा ने प्रोटीन इंजीनियरिंग विद्

द्विजयवंतु ट्रेड्स शीर्षक पर विस्तृत चर्चा की कार्यक्रम के को ऑर्गेनाइजर डॉक्टर प्रवीण गौर ने बताया की 5 दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 15 विषय विशेषज्ञ वक्ता अगले 5 दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. मनोज कुमार शर्मा, प्रमुख कुंभार सम्मेलन एवं आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह. संयोजक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी को सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।



Josh

फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम शुरू

जासं,मुरादनगर : आइटीएस कालेज आफ फार्मेसी में मंगलवार को पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद के निदेशक ड्र . आरके खार ने किया । विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई के डीन पी . सनमुगम पांडियन उपस्थित रहे । वाइस चेयरमैन डा . अर्पित चड्ढा ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया ।

Hint

कार्यक्रम

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मसी में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन' का आयोजन

वर्तमान परिवेश में इंजीनियरिंग बहुत ही चैलेंजिंग : डा. आरके खार

आयोजन

- भारतीय दवा उद्योग वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्पष्टीकरण करने में सक्षम
- कार्यक्रम में देशभर के 200 प्रतिभागियों ने किया सहज, 18 विशेषज्ञ रक्षीय विचार

हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली में रूठ मार्ग पर आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मसी में एआईसीटीई अरुण योजना के द्वारा 'थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन' का आयोजन



किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके खार, डॉक्टर बीएस अनंजयगुप्ता फरीदाबाद, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर पी समसुखन पण्डितन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई, अतिथि चक्रा साइस चेंबरमैन आईटीएस एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस सविता डॉक्टर आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मसी के उपाध्यक्ष में सरस्वती बंदना एवं राष्ट्रपति फकर किया



गया। इस अवसर पर डॉ. खार ने कहा कि वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कम्प्यूटेशन रिस्क के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि इंजीनियरिंग वर्तमान परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है। इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है। भारत इसमें अग्रणी भूमिका



निभा सकता है। उन्होंने कोरोना काल में भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के पर्यटन प्रोफेशनल्स आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे। डॉक्टर पण्डितन ने फैसलीन उत्पादन में भारत के योगदान की बर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश



है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलाते हुए उन्होंने नोबेल ड्रग फायलूरीशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया। साथ ही साथ शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा। अतिथि चक्र ने यह कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मसी ऐसे योग्य फार्मसी प्रोफेशनल्स को

तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में कार्यवाह एवं भविष्य की चुनौतियों को स्पष्टीकरण करने में सक्षम है और इस तरह के कार्यक्रम नए-नए अतिथियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। पांच दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ अग्रणी पांच दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी आईटीएस एवं डेवेलपमेंट को धन्यवाद जताया। डॉ. मनोज कुमार शर्मा, प्रमुख कुम्हार सम्मोहन एवं आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह संयोजक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मसी को सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

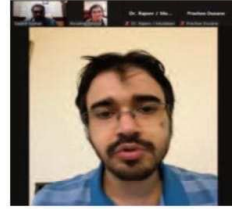
Hind Atma

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ शुभारम्भ

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी 13 सितंबर को एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन था, का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके खार डायरेक्टर बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद विशिष्ट अतिथि डॉक्टर पी सनमगुण पांडेयन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई, अर्पित चड्ढा वाइस चेरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप, डॉ एस सदीश डायरेक्टर आईटी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी द्वारा सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ खार ने कहा की वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें नई तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना



चाहिए। उन्होंने कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया। भारत इस में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कोरोना काल में भारतीय भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के फार्मेसी प्रोफेशनल्स आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे। डॉक्टर पांडेयन ने वैक्सीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही

ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने नोबेल ड्रग फामुलेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताई। उन्होंने शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा। अर्पित चड्ढा ने यह कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऐसे योग्य फार्मेसी प्रोफेशनल्स को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने

में सक्षम है। इस तरह के कार्यक्रम नए नए आविष्कारों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं, उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आविष्कार की महत्ता पर बल दिया। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ सदीश ने एफडीपी हेतु एआईसीटीई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया। उन्होंने समुद्री शैवाल पर हो रहे नए नए अनुसंधानों की चर्चा की। कार्यक्रम में बोलते हुए आईआईटीबीएचयू के प्रोफेसर डॉ बी

मिश्रा ने ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न कारक जो ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम को प्रभावित करते हैं के बारे में विस्तृत चर्चा की। डॉक्टर सुरजित देवनाथ विभागाध्यक्ष मेडिकल लेब टेक्नीशियन महिला पालिटेक्निक तिरुपुरा ने प्रोटॉन इंजीनियरिंग विद डिजाइनिंग ट्रेड्स शीर्षक पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर प्रवीण गौर ने बताया की 5 दिन तक चलने वाले इस

प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ वक्ता अगले 5 दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद दिया। डॉ मनोज कुमार शर्मा, मिस्टर प्रसून कुमार सक्सेना एवं मिस्टर आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह. संयोजक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।